RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
मूल्यः ₹02
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
# स्वराज इंडिया
सांध्यकालीन समाचार पत्र
कानपुर, मंगलवार, 10 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 161, पृष्ठः 8+4

इनसाइड कहीं पे निगाहें कहीं पे निशाना, कोई न जाने इरादे हैं... » Pg 03
» Pg 12

# राजा की हत्या की आरोपी सोनम को फ्लाइट से शिलांग ले जाएगी पुलिस

## मेघालय पुलिस तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड पर उसे शिलांग ले जा रही है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**नई दिल्ली।** मेघालय में इंदौर के युवक राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी को भी गिरफ्तार किया गया है। सोनम को यूपी पुलिस ने गाजीपुर के एक ढाबे से गिरफ्तार किया। जिसके बाद अब मेघालय पुलिस उसे पटना लेकर पहुंची है, जहां सोनम को फुलवारी शरीफ पुलिस स्टेशन में रखा गया है। मेघालय पुलिस उसे तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड पर शिलांग ले जा रही है। सोनम रघुवंशी को गाजीपुर से लेकर पुलिस देर रात पटना पहुंची जहां अब उसे फ्लाइट के जरिए गुवाहाटी ले जाएगी और फिर वहां से ले जाकर शिलांग कोर्ट में पेश किया जाएगा।

वहीं, सोमवार को राजा रघुवंशी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि के सिर पर किसी धारदार चीज से दो बार प्रहार किया गया था। पूर्वी खासी हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक विवेक सायम ने बताया कि रघुवंशी का शव खाई से बाहर निकालने के बाद जांच के दौरान पुलिस ने उसके सिर पर दो कट के निशान देखे।

पोस्टमार्टम पूर्वोत्तर इंदिरा गाधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं आयुविज्ञान संस्थान में किया गया। सायम ने कहा, 'एनईआईजीआर आईएचएमएस की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि मृतक के सिर पर दो गहरे घाव हैं एक पीछे और एक सामने।

### '20 लाख दूंगी, मारना तो पड़ेगा...', सुपारी किलर्स का खुलासा

सोनम ने लूटपाट के बहाने राजा को मारने की साजिश रची थी। इसके लिए सुपारी किलर्स ने गुवाहाटी में डाव (छोटी कुल्हाड़ी) ऑनलाइन मंगवाया था। पुलिस को सोनम की कॉल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज से सुराग मिला।

सोनम और राजा के परिवार की मुलाकात रघुवंशी एप के जरिए हुई थी। 11 फरवरी को सोनम और राजा का रोका हुआ। इसके बाद ही सोनम ने राजा को मारने का प्लान बना लिया था। सोनम ने प्रेमी राज कुशवाहा के साथ मिलकर साजिश रची कि लूटपाट के बहाने राजा का कत्ल कर देंगे और जब मैं विधवा हो जाऊंगी तो तुम मुझे शादी कर लेना। तब पिता जी भी शादी से मना नहीं करेंगे।

**16 मई को बना फाइनल प्लान :** 11 मई को सोनम-राजा शादी के बंधन में बंध गए। शादी के 6 दिन बाद यानी 16 मई को सोनम ने प्रेमी राज कुशवाहा के साथ मिलकर राजा को मारने की साजिश को फाइनल रूप दिया। इसी दौरान सोनम ने राजा को हनीमून के लिए शिलांग चलने को राजी किया।

**ऑनलाइन ऑर्डर किया 'डाव' :** राजा को मारने के लिए 3 सुपारी किलर्स पहले से ही असम के गुवाहाटी में मौजूद थे। उन्होंने गुवाहाटी में ही ऑनलाइन 'डाव'(छोटी कुल्हाड़ी) ऑडज़्र की। इसी हथियार से राजा का कत्ल किया गया था। जब सोनम और राजा शिलांग पहुंचे तो सोनम ने उन्हें लोकेशन भेजी और आरोपी भी दोनों से महज 1 किलोमीटर दूर होटल में ठहरे थे।

**सोनम ने 20 लाख देने का वादा किया :** आरोपियों ने पुलिस को बताया कि 23 मई को फोटोशूट के बहाने सोनम पति राजा को कोरसा में मौजूद पहाड़ी पर ले गई। सोनम थकने का बहाना करके पीछे चलने लगी। वहीं, तीनों आरोपी राजा के साथ चल रहे थे। ऐसे में जब आरोपी पहाड़ी चढ़ते हुए थक गए तो उन्होंने राजा को मारने से इनकार कर दिया। इस पर सोनम ने राजा की पर्स से 15 हजार रुपए निकालकर आरोपियों को दिए और कहा, मारना तो पड़ेगा। साथ ही सोनम ने काम होने के बाद 20 लाख रुपए देने का भी वादा किया था।

## टोंक में बड़ा हादसा

### नदी में नहाने गए आठ दोस्तों की डूबने से मौत

**टोंक (राजस्थान)। स्वराज इंडिया ब्यूरो।** राजस्थान के टोंक में बड़ा हादसा हो गया है। नदी में नहाने गए 8 दोस्तों की डूबने से मौत हो गई है। सभी मृतक टोंक और जयपुर इलाके के रहने वाले हैं। लोगों ने प्रशासन की मदद से शवों को नदी से बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, बनास नदी में नहाने गए 11 युवक के डूब गए। स्थानीय लोगों व पुलिस के जवानों ने 8 युवकों को बाहर निकाला। सभी को एम्बुलेस से अस्पताल भेजा गया, जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

**पिकनिक मनाने आए थे :** टोंक के पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि तीन अन्य को बचा लिया गया और उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि 25 से 30 साल की उम्र के 11 लोगों का एक समूह नहाने के लिए नदी में उतरा था, तभी वे गहरे पानी में चले गए। उन्होंने बताया कि उन्हें बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनमें से आठ को मृत घोषित कर दिया। एसपी ने बताया कि यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वे गहरे पानी में कैसे गिरे। मृतक जयपुर से पिकनिक मनाने आए थे।

## 'झुग्गी वालों की हाय लगेगी'

### पूर्व सीएम आतिशी को पुलिस ने हिरासत में लिया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी को मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया, क्योंकि उन्होंने कालकाजी के भूमिहीन कैंप में तोड़फोड़ के विरोध में प्रदर्शन किया। हिरासत में लिए जाने के दौरान आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर तीखा हमला किया।

पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा और रेखा गुप्ता को झुग्गीवासियों का श्राप लगेगा। आतिशी ने कहा कि भाजपा कल इन झुग्गियों को ध्वस्त करने जा रही है और मुझे आज जेल भेजा जा रहा है। भाजपा और रेखा गुप्ता को झुग्गी वालों की हाय लगेगी।

# दिल्ली के एक अपार्टमेंट में भीषण आग, उठीं ऊंची लपटें

## बिल्डिंग से कूदने के कारण पिता समेत दो बच्चों की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**नई दिल्ली।** अपार्टमेंट के सातवें फ्लोर पर आग लगी है। बिल्डिंग से कूदने के कारण तीन लोगों की मौत हो गई है। इनमें दो बच्चे शामिल हैं। फायर ब्रिगेड की कई गाड़िया पहुंची गईं। पुलिस की टीम भी घटनास्थल पर मौजूद है।

दिल्ली के द्वारका सेक्टर-13 में भीषण आग लग गई। ये आग शब्द अपार्टमेंट के सातवें फ्लोर पर लगी हुई है। मौके पर दमकल की 8 गाड़ियां पहुंच गईं। इस हादसे में तीन लोगों की जान चली गई है। बिल्डिंग से कूदने के कारण पिता समेत दो बच्चों की मौत हुई है। बिल्डिंग में आग बुझाने का काम अभी भी जारी है।

**आग की घटना से अफरा-तफरी का माहौल :** अपार्टमेंट में आग लगने की घटना से अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आनन-फानन में पूरे अपार्टमेंट को खाली कराया गया है। इसके बावजूद कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। इस हादसे में दो बच्चों समेत तीन की मौत हो गई है। मौके पर पुलिस की टीम भी पहुंच गई है।

**दूर तक उठीं आग की लपटें :** अपार्टमेंट में रह रहे लोगों को अपना सामान जलने की चिंता है। आग की लपटें काफी दूर तक उठती हुई दिखाई दी हैं। आग तेजी से अन्य फ्लोर की तरफ भी फैल रही है। ऐसे में बिल्डिंग के अन्य फ्लोर और पास वाली बिल्डिंग के लोगों को भी डर है कि ये आग की लपटें उनके घर को भी न जला दें।

**दिलशाद गार्डेन में आग लगने से दो की गई थी जान :** वहीं, दूसरी ओर दिल्ली के दिलशाद गार्डेन में रविवार की देर रात आग की घटना सामने आई थी। दिलशाद गार्डेन के कोडी कॉलोनी में ई-रिक्शा चार्जिंग के दौरान आग लग गई थी। इस हादसे में भी दो लोगों की जान चली गई थी। जान गंवाने वालों में से एक 24 वर्षीय युवक और एक 60 वर्षीय व्यक्ति शामिल थे।

# घूस लेते रंगेहाथ पकड़ा गया दरोगा अभिनव चौधरी

## पैसे लेते एंटी करप्शन टीम ने किया गिरफ्तार

**वरिष्ठ संवाददाता स्वराज इंडिया**

**कानपुर। कानपुर के नौबस्ता थाने में तैनात दरोगा अभिनव चौधरी को घूस लेते हुए एंटी करप्शन टीम ने रंगेहाथ पकड़ लिया। आरोपी दरोगा ने एक युवक से नामजद व्यक्ति का नाम हटाने के एवज में 20 हज़ार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत मिलने पर एंटी करप्शन विभाग तुरंत हरकत में आई।**

पूरी योजना को सुनियोजित तरीके से अंजाम देने के लिए टीम ने पहले से ही नोटों पर फिनोफ्थलीन पाउडर लगाया।

जैसे ही युवक श्रीराम चौक पर अभिनव चौधरी को पैसे देने पहुंचा, टीम ने दरोगा को घूस लेते हुए पकड़ लिया। इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हलचल मच गई। प्रारंभिक रिपोर्ट मिलते ही दरोगा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। गौरतलब है कि अभिनव चौधरी पहले भी विवादों में रहा है। पिछले वर्ष वह गैंगस्टर गोपाल सचान की पत्नी से नजदीकी को लेकर चर्चा में आया था। हालांकि, उस मामले में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी, फिर भी विभागीय छवि को नुकसान जरूर पहुंचा था। कानपुर कमिश्नरेट में ऐसे कई दरोगा और इंस्पेक्टर है जो कि लगातार अपने कारनामों से पुलिस महकमे की छवि को खराब करने में छूटे हुए हैं।

# पीएम मोदी ने शिवान्या को भेजी चिट्ठी, लिखा- आपने प्रस्तुत की सशक्त व बदलते भारत की तस्वीर

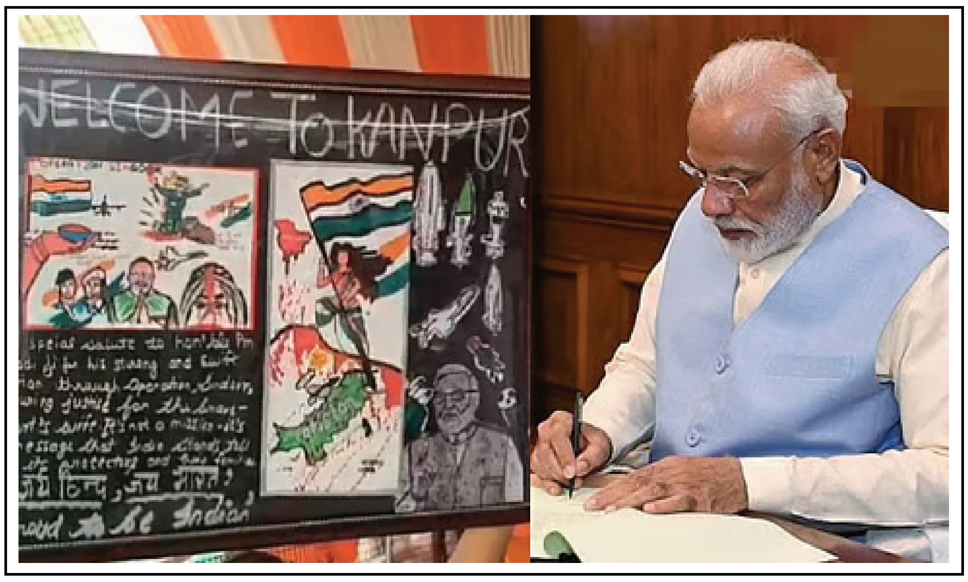

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर। सीएसए में 30 मई को हुई जनसभा के दौरान पंडाल में मौजूद शिवान्या ने ऑपरेशन सिंदूर पर बनाई गई अपनी पेंटिंग मंच पर मौजूद पीएम मोदी को दिखाई थी। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अपने मन के भावों को जिस तरह आपने कैनवास पर उतारा है, उसे देखकर मैं अभिभूत हूं... अपनी पेंटिंग के जरिये आपने एक सशक्त और बदलते भारत की तस्वीर प्रस्तुत की है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप जैसे युवा साथी इस संकल्प की सिद्धि में अहम भूमिका निभाएंगे। यह बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहर निवासी सातवीं की छात्रा शिवान्या तिवारी को भेजी गई चिट्ठी में लिखी हैं। सोमवार को चिट्ठी छात्रा के घर पहुंची।**

सीएसए में 30 मई को हुई जनसभा के दौरान पंडाल में मौजूद शिवान्या ने ऑपरेशन सिंदूर पर बनाई गई अपनी पेंटिंग मंच पर मौजूद पीएम मोदी को दिखाई थी। उन्होंने अपने संबोधन के शुरुआत में ही छात्रा के प्रयास की सराहना की थी और एसपीजी को निर्देश देकर इस छात्रा के साथ एक अन्य बालिका की पेंटिंग अपने पास मंगवाई थी। उन्होंने कहा था कि वह उन्हें चिट्ठी लिखेंगे। प्रधानमंत्री ने यह वादा पूरा करते हुए शिवान्या को चिट्ठी लिखी।

इसमें उन्होंने आगे लिखा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे देश की सेनाओं के पराक्रम ने प्रत्येक देशवासी का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। आतंकवाद के खिलाफ यह ऑपरेशन साहस, स्वाभिमान और संकल्प से भरे एक नए भारत का संदेश है। चित्रकला मन के भावों को व्यक्त करने का एक प्रभावी माध्यम है, जो हमारी कल्पनाओं को मूर्त रूप देती है। शिवान्या के अनुसार उसने पेंटिंग में ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई, भारत मां और प्रधानमंत्री की आक्रामक मुद्रा को दर्शाया था। प्रधानमंत्री व सेना को धन्यवाद संदेश देने के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को भी दर्शाया था।

# दीनू के भाई और सहयोगी की तलाश में पुलिस ने दी दबिश, घरवालों को दी चेतावनी

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर। एसीपी कर्नलगंज के साथ सर्किल के फोर्स ने ग्वालटोली और नवाबगंज में छापेमारी की। सहयोगी नीरज दुबे और भाई संजय उपाध्याय के यहां फोर्स गई।**

**पिंटू सेंगर हत्याकांड में जेल में बंद अधिवक्ता दीनू उपाध्याय के भाई संजय उपाध्याय और सहयोगी नीरज दूबे की तलाश तेज हो गई है। सोमवार को एसीपी कर्नलगंज के साथ सर्किल की फोर्स ने दोनों के घरों में दबिश दी। करीब एक घंटे तक उनकी तलाश की गई। घरवालों को चेतावनी दी कि अगर जल्द से जल्द आरोपियों ने सरेंडर नहीं हुआ तो कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।**

कमिश्नरी पुलिस ने दीनू उपाध्याय के खिलाफ 14 रिपोर्ट दर्ज की हैं, जिसमें हत्या, हत्या का प्रयास, मारपीट, गाली गलौज, जमीन पर कब्जे, रंगदारी मांगने, धमकी देने की धाराएं लगी हैं। एफआईआर में से कुछ में दीनू उपाध्याय के बड़े भाई संजय उपाध्याय और नीरज दुबे का नाम भी शामिल है। यह विभिन्न थानों में दर्ज किए गए हैं। एफआईआर होते ही दोनों फरार हैं। सोमवार की दोपहर करीब दो बजे एसीपी कर्नलगंज अमित चौरसिया कर्नलगंज, नवाबगंज और ग्वालटोली थाने का फोर्स लेकर आरोपियों के घर पहुंचे।

एक साथ इतने अधिक संख्या में पुलिसकर्मियों को देखकर क्षेत्र के लोग आश्चर्यचकित हुए। फोर्स सबसे पहले परमट क्षेत्र में स्थित नीरज दुबे के घर गया। यहां उसकी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। यहां से एसीपी के नेतृत्व में फोर्स ने नवाबगंज में दीनू उपाध्याय के घर में छापा मारा। दोनों ही आरोपियों के न मिलने पर घरवालों को अल्टीमेटम दिया।

डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि संजय उपाध्याय और नीरज दुबे के घर में छिपे होने की सूचना आई थी, जिस पर फोर्स ने छापेमारी की। दोनों ही आरोपियों को जल्द से जल्द सरेंडर करने के लिए कहा गया है। पुलिस की कई टीमें उनकी तलाश कर रही हैं।

## ....राजनीति में खास बना खासपुर गांव..........

# कहीं पे निगाहें कहीं पे निशाना, कोई न जाने इरादे हैं किधर के...

**रिज़वान कुरैशी/ स्वराज इंडिया**

**बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर के खासपुर गांव में बीते दिनों हुई सियासत के पीछे की कहानी कुछ और ही है। जिसकी परतें अब धीरे-धीरे खुलने भी लगी हैं। मामला भले ही गांव में कुर्मी और दलित बिरादरी के बीच का रहा हो लेकिन जिस तरीके से भाजपा, सपा और अपना दल (एस) ने इस मामले में राजनीतिक रोटियां सेंकने की कोशिश की। वह किसी से छिपा नहीं है। लेकिन शायद अभी तक हर कोई इससे अनजान ही रहा है कि यह पूरी कहानी की स्क्रिप्ट एक सोची- समझी रणनीति के तहत तैयार की गई। जिसमें एक पक्ष के द्वारा दूसरे पक्ष पर हमला किया गया और उसे जानलेवा हमला बताकर गंभीर रूप देने की कोशिश की गई।**

- **25 मई से पूर्व प्रधान पर हमले के बाद सुर्खियों में आया था खासपुर**
- **पुलिस सभी आरोपियों को भेज चुकी है जेल**
- **मामले में एक दारोगा पर भी गिरी थी गाज**
- **प्रदेश सरकार के मंत्री आशीष पटेल आए थे जख्मों पर मरहम लगाने**

लेकिन पुख्ता सूत्र बताते हैं कि पूर्व प्रधान अशोक कटियार ने इस छोटी सी घटना के जरिए गांव की पूरी कुर्मी बिरादरी को एक करके अगले कुछ महीने में होने वाले ग्राम प्रधान के चुनाव में लाभ लेने के लिए ऐसा किया था। जिसमें शायद वह काफी हद तक सफल भी हुए। यही वजह रही है कि प्रदेश सरकार ने भी मशीनरी से नाराज कुर्मी बिरादरी के लोगों को समझाने के लिए उनकी ही बिरादरी के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल को गांव भेजा था। उनका गांव के लोगों से पुराना जुड़ाव भी रहा है। उन्होंने यहां पहुंच कर लोगों को समझाया और पुलिस अधिकारियों को भी आड़े हाथों लिया। हालांकि पुलिस मशीनरी अपना काम कर रही थी लेकिन शायद दबाव में कुछ ज्यादा सक्रियता दिखाई हो और अपना काम अच्छे से किया हो। और आरोपियों रमन और कृष्णा आदि की गिरफ्तारी के बाद भले ही पुलिस और राजनीतिक स्तर पर खासपुर मामले का पटाक्षेप हो गया हो लेकिन असली राजनीति तो गांव में अब शुरू हुई है और उसका रंग आने वाले दिनों से लेकर अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव तक और सुर्ख होता चला जाएगा।

गांव में आए मंत्री आशीष पटेल ने कुछ इस तरह समझाया था गांव वालों को।

गांव में इस तरह लगाए गए थे मकान बिकाऊ है के पोस्टर।

**दूध का धुला नहीं है पूर्व ग्राम प्रधान**

खासपुर मामले में जिस पूर्व ग्राम प्रधान अशोक कटियार पर हमले की बात कही जा रही है वास्तव में वह भी दूध का धुला हुआ नहीं है। उस पर भी मारपीट, हरिजन एक्ट, घर में घुसकर हमला सहित कई गंभीर धाराओं में करीब आधा दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज हैं। जिन्हें वह खुद राजनीतिक मुकदमें बताते हैं। वहीं दूसरे पक्ष के जो आरोपी बनाए गए थे। उनमें भी रमन और कृष्णा के कारनामें आम आदमी से लेकर पुलिस तक से छिपे नहीं हैं। जिस तरह से पूर्व प्रधान पक्ष की ओर से यह दिखाने की कोशिश की गई कि दलित बिरादरी के लोग दबंग और दोषी हैं। वह पूरी तरह से गलत है। यह बात आसानी से समझी जा सकती है कि जहां बहुतायत परिवार एक ही बिरादरी के हों और जानकारी के मुताबिक एक मात्र घर दूसरी बिरादरी के परिवार का हो वह उस बिरादरी के लोगों पर दबाव कैसे बना सकता हैं। ये सोचने वाली बात है।

**तो क्या नकाब पहने लोग बच पाएंगे पुलिसिया कार्रवाई से!**

जिस तरह से गांव में कुर्मी बिरादरी के लोगों को निरीह दिखाकर उनके दरवाजे पर मकान बिकाऊ है के पोस्टर लगाना और यह संदेश प्रसारित करना कि हम इतने डर गए हैं कि गांव छोड़ने के लिए तैयार हैं वह अपने आप में एक सोची समझी साजिश ही थी। जिसका खुलासा भी हो चुका है जो लोग नकाब पहने थे उनके नकाब अब खुल गए हैं। देर सबेर पुलिस उन्हें भी अपने लपेटे में ले सकती है। बताते चलें कि इस मामले में एक दारोगा पर भी गाज गिर चुकी है। हालांकि इस बात से वह लोग भी नावाकिफ नहीं हैं और उन्हें इस बात का डर सता रहा है कि पुलिस उन्हें कब पूछताछ के लिए उठा ले या कब कौन सी कार्रवाई कर दे। अब यह तो समय ही बताएगा कि पुलिस उन पर कोई कार्रवाई करती है या मामले को यहीं पर जस का तस छोड़ देती है।

**कहीं भाजपा को हल्का करने के लिए तो नहीं दिया गया राजनीतिक रंग!**

कहीं खासपुर गांव में मामले को राजनीतिक रंग महज सत्ता पक्ष को हल्का करने के लिए तो नहीं दिया गया। जानकार सूत्र तो इस बात की पुष्टि कर रहे हैं। जिस तरह से सत्ता पक्ष के विधायक और सपा के एक नेता ने सोशल मीडिया पर अपनी लड़ाई शुरू कर दी थी। उससे इस बात को और भी बल मिलता है। लेकिन वहीं सपा को इससे राजनीतिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। इस बात का दावा कुछ लोग कर रहे हैं। हालांकि यह तो समय ही तय करेगा।

लेकिन प्रधानी चुनाव के पहले खासपुर की राजनीति हर किसी की जुबान पर है।

**गांव से जुड़ा होने के नाते अच्छी तरह समझता हूँ गांव की राजनीति – एसीपी**

सहायक पुलिस आयुक्त बिल्हौर अमरनाथ ने कहा हम भी गांव से जुड़े हुए हैं, गांव की राजनीति को भी समझते हैं। लेकिन जिस तरह से खासपुर में घटना को राजनैतिक रंग दिया गया। वह एक सभ्य समाज के लिए कतई उचित नहीं है। जिन लोगों ने इस घटना को बढ़ा– चढ़ाकर पेश करने की कोशिश की है। पुलिस ने उन्हें चिन्हित कर लिया है। देर – सबेर ऐसे लोग पुलिस के लपेटे में आ ही जायेंगे।

# जिलाधिकारी ने कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे का किया निरीक्षण, जुलाई तक पूरा करने के निर्देश

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर। जिलाधिकारी ने बताया कि इसके बनने से एनएच 27 पर वाहनों के लोड कम हो जाएगा। साथ ही, कानपुर से लखनऊ की दूरी को मात्र 35 से 40 मिनट में पूरी की जा सकेगी। इससे लखनऊ और कानपुर के बीच के जाम से भी निजात मिलेगी।**

**कानपुर में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सोमवार को निर्माणाधीन कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण किया। एक्सप्रेसवे के प्रथम चरण में कानपुर से उन्नाव तक 45 किलोमीटर का कार्य जुलाई माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्नाव स्थित रेलवे ओवरब्रिज का कार्य तेजी से कराने की बात कही। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे का एक वर्ष से अधिक समय से निर्माण कार्य चल रहा है। पहले चरण का कार्य 31 मई तक पूरा होना था, लेकिन उन्नाव स्थित रेलवे ओवरब्रिज का कार्य पूरा नहीं हो सका था।**

इसकी वजह से निर्माण कार्य धीमा रहा। वहीं, बनी से शहीद पथ तक का 17 किलोमीटर दूसरे चरण का कार्य अक्तूबर तक कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि इसके बनने से एनएच 27 पर वाहनों के लोड कम हो जाएगा। साथ ही, कानपुर से लखनऊ की दूरी को मात्र 35 से 40 मिनट में पूरी की जा सकेगी। इससे लखनऊ और कानपुर के बीच के जाम से भी निजात मिलेगी।

**एक्सप्रेस-वे की विशेषताएं**

कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेस–वे को अवध एक्सप्रेसवे के नाम से भी जाना जाता है। यह एक्सप्रेस–वे प्रदेश के दो प्रमुख शहर लखनऊ और कानपुर को जोड़ता है। यह भारत के उत्तर प्रदेश में निर्माणाधीन 63 किलोमीटर लंबा (39 मील), छह लेन का (8 तक विस्तार योग्य) एक्सेस–कंट्रोल एक्सप्रेस–वे है। इसे भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय एक्सप्रेस–वे 6 (एनएच 6) का दर्जा दिया गया है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग 27 (एनएच–27) के समानांतर चलेगा, जो कानपुर और लखनऊ को जोड़ता है।

# फरियाद लेकर तहसील पहुंचे युवती गर्मी से बेहाल होकर रोने लगी, चार घंटे नहीं आई बिजली,लोग हुए परेशान

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर। कानपुर के सरसौल में सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर नरवल तहसील में भीषण गर्मी और उमस के बीच भी फरियादियों की लंबी कतारें दिखी। इसी बीच गर्मी से परेशान होकर एक युवती जोर-जोर से रोने लगी, जिसको नायब तहसीलदार शिखा शुक्ला द्वारा पानी पिलाकर समस्या को सुना तथा त्वरित निदान भी कराया गया। नरवल तहसील के शाह गांव की रहने वाली रानी देवी ने बताया कि उसके पिता छोटेलाल की तीन वर्ष पहले मृत्यु हो गई है और मां की भी मौत हो गई है और वह स्वयं बीमार रहती है।**

खेतों का खसरा बनवाने के लिए दो माह से तहसील के चक्कर लगा रही है पीड़िता ने बताया वह अपना इलाज करने के लिए क्रेडिट कार्ड बनवाना चाहती है क्रेडिट कार्ड से लोन लेकर इलाज का खर्च वहन करेगी। लेखपाल अतुल कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि कई महीने से तहसील के चक्कर लगवा रहे हैं। अभी तक खसरा नहीं दिया है। इस मौके पर नायब तहसीलदार ने तत्काल संबंधित लेखपाल को बुलाकर खसरा बनवा कर पीड़िता को हाथों हाथ दिया।

**चार घंटे नहीं आई बिजली, लोग हुए परेशान**

फॉल्ट और शटडाउन के कारण सोमवार को अलग–अलग इलाकों में चार घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। इसके कारण भीषण गर्मी में लोग परेशान रहे। कल्याणपुर उपकेंद्र के तहत आने वाले गूबा गार्डन, ई–सेक्टर की आपूर्ति 11 केवी एचटी पोल को बदलने व लाइन शिफ्ट करने के कारण दोपहर 12:10 से शाम 5:45 बजे तक बाधित रही। वहीं, हाईवे सिटी उपकेंद्र के तहत आने वाले चंदननगर, छतमरा के इलाके में इनकमर नंबर–1 के इनडोर में फॉल्ट होने के कारण दोपहर 2:40 से 4:45 बजे तक बिजली नहीं आई।

सम्पादकीय

# भटकाव की राह में रिश्तों का कत्ल

पिछले एक पखवाड़े में इंदौर से विवाह के तुरंत बाद मेघालय हनीमून पर गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम के अचानक लापता होने की गुत्थी ने पूरे देश का ध्यान खींचा। हालांकि, 23 मई को लापता होने के बाद राजा का शव दो जून को बरामद हो गया था, लेकिन सोनम के लापता होने की घटना निरंतर देशवासियों को परेशान करती रही। यहां तक कि मेघालय के लोगों के शेष भारत के लोगों के साथ कथित आक्रामक व्यवहार के नाम पर मेघालय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अतिरंजित टिप्पणियां तक की जाती रहीं। लेकिन मेघालय पुलिस की गहन छानबीन के बाद इंदौर के तीन लोगों की गिरफ्तारी के बाद सोनम का उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस के समक्ष समर्पण करना, इस पूरे कांड की कहानी ही बदल देता है। सवाल उठे कि मेघालय के जिस ईस्ट खासी हिल्स जिले में राजा का शव मिला वहां से एक हजार किलोमीटर से अधिक दूरी पर उप्र. के गाजीपुर सोनम कैसे पहुंची। अब इस रहस्यमय मामले पर से मेघालय, उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश की पुलिस पर्दा उठाने की कोशिश में है। इंदौर के राजा दंपति का हनीमून मनाने मेघालय जाना, फिर दोनों का गायब होना, राजा का शव बरामद होना तथा सोनम के लापता होने का घटनाक्रम किसी फिल्मी कहानी की तरह आगे बढ़ता रहा। अब सोनम के परिजन उसे बेगुनाह बताने की कोशिश में हैं तो राजा का परिवार दोषियों को सजा देने की मांग कर रहा है। लेकिन सारे मामले में सोनम की भूमिका, उसके पिता की फर्म के कर्मचारी की गिरफ्तारी तथा सोनम की रहस्यपूर्ण ढंग से गाजीपुर पहुंचने की कहानी कई संदिग्ध सवालों को जन्म दे रही है। लोगों के दिमाग में सवाल है कि दोनों परिवारों की सहमति से 11 मई को हुई शादी का यह दुखांत क्यों? हालांकि, राजा की हत्या बहुत ही सुनियोजित तरीके से की गई, लेकिन गाइड द्वारा राजा-सोनम के साथ तीन अन्य लोगों की उपस्थिति की बात ने मेघालय पुलिस को हत्या के तार जोड़ने में मदद की। दरअसल, शिलांग पुलिस ने बताया था कि इंदौर के एक व्यक्ति की हत्या में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें हनीमून के दौरान हत्या की साजिश रचने वाली उसकी पत्नी भी शामिल है। अब तक रहस्यमय तरीके से लापता बहू के मिलने की प्रतीक्षा कर रहे राजा के परिवार को हकीकत जानकर सदमा लगा है। मेघालय पुलिस के दावे के बाद उन्होंने सोनम की तसवीरें जलाकर गुस्सा जाहिर किया है। सार्वजनिक विमर्श में ये सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब दोनों परिवारों की सहमति से विवाह हुआ तो यह दुखांत क्यों? हाल के दिनों में मेरठ व देश के अन्य भागों में प्रेमी से मिलकर पति की हत्या करने के कई मामलों ने विवाह संस्था पर मंडराते संकट पर चिंता बढ़ाई है। सवाल उठा है कि परिवार की सहमति से धूमधाम से विवाह रचाने वाली सोनम ने आखिर ऐसा घातक कदम क्यों उठाया? जैसा कि बताया जा रहा है कि उसने अपने पुराने प्रेम संबंधों के लिये राजा को अपनी राह से हटाया। उसने खुद ही मेघालय की फ्लाइट बुक की और सुनियोजित तरीके से भारी-भरकम गहनों के साथ कथित हनीमून पर निकली। कभी पति-पत्नी के जिन रिश्तों को जन्म-जन्मांतर का साथ बताया जाता था, उन्हें हाथ की मेहंदी सूखने से पहले कत्ल किया जाना।

# त्याग से नया जीवन देने की अनूठी मिसाल

क्षमा शर्मा

**राजस्थान में गुर्दा खराब होने से जीवन हेतु संघर्षरत?बेटी को उससे लगभग दोगुनी उम्र की चौरासी वर्षीय मां बुधो देवी ने अपना गुर्दा दान करके एक मिसाल पेश की है।?आम तौर पर अंग दान देने वाले की अधिकतम उम्र, साठ से पैंसठ वर्ष के बीच मानी जाती है।? लेकिन बुधो देवी के संकल्प के सामने डॉक्टर झुकने को मजबूर हुए।जयपुर का सवाई मान सिंह अस्पताल। यहां छियालीस वर्षीय गुड्डी भर्ती थी। गम्भीर बीमारी के कारण, उसके दोनों गुर्दे खराब हो गए थे। वह डायलिसिस पर थी। लेकिन एक हद के बाद डायलिसिस भी काम करना बंद कर देता है। उसकी हालत बिगड़ रही थी। इसलिए गुड्डी के लिए गुर्दे का प्रत्यारोपण जरूरी था। डाक्टर ऐसे दानदाता को ढूंढ रहे थे, जिससे गुड्डी का ब्लड ग्रुप मिलता हो। साथ ही वह स्वस्थ भी हो।**

अपने देश में आसानी से अंग दान करने वाले मिलते भी नहीं। गुड्डी की देखभाल करने के लिए वहां उसकी चौरासी वर्षीय मां बुधो देवी भी मौजूद रहती थीं। जब उन्हें इस बात का पता चला, तो उन्होंने डाक्टरों से प्रार्थना की कि वह अपनी बेटी को गुर्दा दान करना चाहती हैं। लेकिन उनकी उम्र आड़े आ रही थी। आम तौर पर माना जाता है कि अंग दान देने वाले की अधिकतम उम्र, साठ से पैंसठ वर्ष के बीच में ही हो। लेकिन बुधो देवी डाक्टरों से आग्रह करती रहीं। डाक्टरों ने जब उनके विभिन्न परीक्षण किए, तो वह स्वस्थ निकलीं। उन्हें कोई गम्भीर बीमारी भी नहीं थी। यही नहीं, उनका ब्लड ग्रुप भी गुड्डी से मिल गया।शुरुआती ऊहापोह और मां बुधो देवी के आग्रह को देखते हुए डाक्टरों ने इस चुनौती को स्वीकार किया। फिर बुधो देवी का गुर्दा निकालकर, उनकी बेटी को प्रत्यारोपित कर दिया। अब मां- बेटी दोनों स्वस्थ हैं। आखिर एक मां का अपनी बेटी को इससे बड़ा उपहार क्या हो सकता है। उन्होंने इसकी मिसाल कायम की और बेटी का जीवन बचाया। डाक्टरों की चेतावनी के बावजूद, अपनी बड़ी उम्र के खतरों की भी परवाह नहीं की। जब बुधो देवी से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें फैसला लेने में न कोई दिक्कत हुई, न डर लगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह तो अपनी उम्र जी चुकीं। यदि उनके अंग दान से उनके किसी बच्चे को जीवन मिल सकता है, वह दर्द से मुक्त हो सकता है, तो वह ऐसा क्यों न करें। उन्होंने यह भी बताया कि आज तक वह कभी बीमार नहीं पड़ी हैं। इस पीढ़ी की महिलाओं ने अथक परिश्रम किया है। इसी का कारण है कि बीमारियां उनके शरीर में घर नहीं बनाती हैं। वर्ना तो इन दिनों छोटी-छोटी उम्र में ही बहुत- सी लड़कियां और महिलाएं गम्भीर रोगों का शिकार हो रही हैं। जीवन में जितना मशीनीकरण बढ़ा है, शारीरिक श्रम उतना ही घटा है। इसीलिए बीमारियां जल्दी दस्तक देने लगती हैं एक मां के इस वक्तव्य ने झकझोर कर रख दिया। इतना बड़ा त्याग, जिसमें जान भी जा सकती थी, इसकी कोई परवाह नहीं की। इस मां को चिंता इस बात की थी कि कैसे भी वह अपनी बेटी का जीवन बचा सकें। ऐसी मां को सलाम है। आम तौर पर तो हमारे समाज में कुछ इस तरह की अवधारणा कायम है कि माता-पिता अपनी बेटियों के जीवन पर कोई ध्यान नहीं देते। बुधो देवी ने बेटी बचाओ अभियान के बारे में हो सकता है, सुना हो, न सुना हो, लेकिन उन्होंने आगे बढ़कर अपने कर्तव्य का निर्वहन किया। कायदे से तो इस मां को बड़े से बड़ा पुरस्कार भी कम पड़ जाए। वह न तो बहुत धनवान हैं, न उन्होंने बेटियों के अधिकारों के बारे में कुछ पढ़ा होगा। लेकिन ऐसी मांएं हमारे समाज में कोई अजूबा भी नहीं, जो अपने बच्चों के लिए जान की बाजी लगा देती हैं। सवाई मानसिंह अस्पताल के वे डाक्टर, जो इस आपरेशन से जुड़े थे, बुधो देवी की मजबूत इच्छाशक्ति की तारीफ कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह एक मां का प्यार तो है ही, उन लोगों के लिए भी मिसाल है, जो अंग दान करना नहीं चाहते। शायद इस उदाहरण से अन्य लोगों को प्रेरणा मिले। बुधो देवी को तीन दिन बाद ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

# जैविक युद्ध का मौन हथियार बन सकता है फंगस

## फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम

ज्ञानेन्द्र रावत

**अमेरिका में फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम फंगस तस्करी की घटना ने वैश्विक कृषि सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं। यह चेतावनी है कि बीज-फसलें भी आतंकवाद के हथियार बन सकते हैं। फंगस अनाज सड़ाते हैं जिसका सेवन सेहत के लिए हानिकारक है। इन पर काबू पाने को भारत में भी कड़े जैविक सुरक्षा मानक, अंतर्राष्ट्रीय लैब्स से सहयोग और फफूंद निगरानी तंत्र ज़रूरी है।फंगस केवल फसलों का ही दुश्मन नहीं, वह इंसानों की जान के लिए भी ख़तरनाक है। एक साइंस जर्नल के मुताबिक, फंगस कृषि आतंकवाद का ख़तरनाक हथियार हो सकता है। फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम नामक एक फंगस विभिन्न अनाजों के विकास को प्रभावित करता है। इससे उपज भी कम हो जाती है।**

संक्रमित करने के बाद यह फंगस फसल के परिपक्व होने के साथ फैलता जाता है। फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम छोटे अनाज के पौधों के तने और जड़ों के ऊतकों, अवशेषों में जीवित रहने और नये पौधों को संक्रमित करने के लिए जाना जाता है। यह माइकोटाक्सिन पैदा करता है जिसका सेवन हानिकर होता है।बीते दिनों अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई ने मिशिगन यूनिवर्सिटी में शोधरत चीनी शोध वैज्ञानिक युनकिंग जियांग को गिरफ्तार किया जो अमेरिका में ख़तरनाक जैविक फंगस फ्यूजेरियम ग्रेमिनिअरम लेकर आई। वैसे फंगस विभिन्न तरह के रोग जैसे हेड ब्लाइट, रूट रौट व सीडलिंग ब्लाइट पैदा करता है। इसकी अधिकांश प्रजातियां मृदाकवक हैं। जबकि फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम फंगस गेहूं, धान, मक्का और जौ में हेड ब्लाइट रोग फैलाता है। इससे मुख्यतः वोमिटोक्सिन पदार्थ पैदा होता है जो अनाज दूषित करता है। इससे निकले विषाक्त द्रव्य से हर साल

अरबों डॉलर की फसल बर्बाद होती है व उपज कम होती है। गौरतलब है कि एफबीआई ने पिछले साल जुलाई में चीनी शोध वैज्ञानिक जियान के ब्वायफ्रैंड लियू को उसके बैग में मिले लाल पौधे के पदार्थ के बारे में गोलमोल जवाब देने के बाद डेट्रायट हवाई अड्डे से वापस चीन भेज दिया था। लियू के मुताबिक, उसकी योजना मिशिगन यूनिवर्सिटी की लैब में अनुसंधान के लिए इस सामग्री का उपयोग करने की थी। इसके बाद उसने अपनी गर्लफ्रेंड जियान के जरिये छिपाकर इस ख़तरनाक फंगस को मिशिगन यूनिवर्सिटी की लैब तक पहुंचाया। लियू पहले इस लैब में काम करता था। फिलहाल वह चीनी यूनिवर्सिटी में कार्यरत हैं। एफबीआई निदेशक ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा है कि चीन अमेरिकी संस्थानों में घुसपैठ की साज़िश कर रहा है ताकि खाद्य सुरक्षा तंत्र के जरिये बड़ी आबादी को नुकसान पहुंचाया जा सके। इस स्ट्रेन के अनधिकृत आयात से अधिक आक्रामक या कीटनाशक प्रतिरोधी वैरिएंट आने का खतरा बढ़ जाता है। इसके कारण नियंत्रण के उपाय कम प्रभावी होते हैं।यह खतरनाक फंगस भारत में भी पाया जाता है। अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी आफ मेडिसिन की 2022 की रिपोर्ट की मानें तो उत्तर भारत में गेहूं की फसल में कई बार हेड ब्लास्ट के लक्षण देखे गये। हालांकि हर बार उस पर नियंत्रण पा लिया गया। इसके यहां सक्रिय होने के पीछे जलवायु परिवर्तन अहम कारण है। गेहूं की फसल के लिए इसे बड़ा खतरा माना जाता है। आईसीएआर के 2021 में ?हिमाचल और तमिलनाडु में किए व्यापक रोग- सर्वेक्षण में इस फंगस के बारे में खुलासा हुआ था। इससे गेहूं के दाने में हेड ब्लाइट या स्टैंड की समस्या हुई थी। यही नहीं 2021 और 2022 के बीच रबी सीजन में कर्नाटक कृषि विवि द्वारा किए एक सर्वे में कर्नाटक में हेड ब्लाइट की समस्या देखी गयी।असल में अमेरिका में चीनी वैज्ञानिक द्वारा फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम की तस्करी की घटना ने जहां वैश्विक कृषि सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं चेतावनी भी दी है कि इस तरह मिट्टी, बीज और फसलें भी आतंकवाद के हथियार बन सकते हैं। फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम फंगस अनाज को सड़ा भी सकता है जिससे इंसान व मवेशियों की जान के लाले पड़ सकते हैं। बेहद सूक्ष्म होने के चलते यह आसानी से पकड़ में नहीं आता और हवा, मिट्टी और बीज के जरिये अपना विस्तार करता है।

# महेंद्र सिंह धोनी को मिला बड़ा सम्मान

## आईसीसी हॉल ऑफ फेम में हुए शामिल; बीसीसीआई ने दी बधाई

दुबई। धोनी के अलावा दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ, न्यूजीलैंड के पूर्व स्पिनर डेनियल विटोरी, पाकिस्तान महिला टीम की खिलाड़ी सना मीर और इंग्लैंड महिला टीम की खिलाड़ी सारा टेलर को भी इस सूची में शामिल किया गया है।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। धोनी भारत के 11वें खिलाड़ी हैं जिन्हें इस सूची में शामिल किया गया है। आईसीसी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। धोनी के अलावा दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ, न्यूजीलैंड के पूर्व स्पिनर डेनियल विटोरी, पाकिस्तान महिला टीम की खिलाड़ी सना मीर और इंग्लैंड महिला टीम की खिलाड़ी सारा टेलर को भी इस सूची में शामिल किया गया है। धोनी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए हुए करीब पांच साल हो गए हैं। धोनी ने भारत के लिए आखिरी मैच 2019 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में खेला था। भारत वो मुकाबला हार गया था और टूर्नामेंट से बाहर हो गया था। इसके बाद धोनी ने भारत के लिए कोई मुकाबला नहीं खेला और फिर 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया।

कैप्टन कूल के नाम से प्रसिद्ध रहे धोनी भारत के सबसे सफल कप्तान में से एक हैं। रांची से आने वाले धोनी ने भारत को अपनी कप्तानी में 2007 टी20 विश्व कप, 2011 वनडे विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दिलाया था। धोनी भारत के एकमात्र कप्तान है जिनकी कप्तानी में टीम ने तीन आईसीसी खिताब जीते हैं। इसके अलावा उनके नेतृत्व में भारत ने 2010, 2016 में एशिया कप का खिताब भी जीता था। धोनी ने 2004 में बांग्लादेश के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू किया था।

धोनी भारत के 11वें खिलाड़ी हैं जिन्हें आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। उनसे पहले नीतू डेविड, वीरेंद्र सहवाग, डियाना एडुल्जी, विनोद मांकड़, सचिन

तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले, कपिल देव, बिशन सिंह बेदी और सुनील गावस्कर को यह सम्मान मिल चुका है। गावस्कर और बिशन सिंह बेदी भारत से आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। उन्हें यह सम्मान 2009 में मिला था।

आईसीसी खिताब के लिए भारत का मार्गदर्शन करने के अलावा, उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और चैंपियंस लीग टी20 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को फ्रेंचाइजी का गौरव भी दिलाया है। उन्होंने सीएसके को 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में पांच आईपीएल खिताब दिलाए हैं। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने 2010 और 2014 में चैम्पियंस लीग टी20 का खिताब जीता है। धोनी ने 2016 से 2017 में सीएसके के बैन होने पर राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स के लिए खेले थे। धोनी आईपीएल 2025 में अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर खेलने उतरे थे और ऋतुराज गायकवाड़ की अनुपस्थिति में उन्होंने टीम की कमान संभाली थी।आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने धोनी को बधाई दी है। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, भारतीय टीम के दिग्गज पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने के लिए बहुत बधाई। वह इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाले 11वें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

धोनी का अंतरराष्ट्रीय करियर

चेन्नई सुपर किंग्स में थाला के रूप में पहचाने जाने वाले धोनी ने भारत के लिए 98 टी20 खेले, जिसमें 126.13 के स्ट्राइक रेट से 37.60 की औसत से 1,617 रन बनाए। उनके नाम इस प्रारूप में दो अर्धशतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 56 रन है। टेस्ट की बात करें तो धोनी ने 90 मैच खेले, जिसमें 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए। उन्होंने 224 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ छह शतक और 33 अर्धशतक बनाए। वह टेस्ट में भारत के लिए 14वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। एक कप्तान के रूप में उन्होंने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें से उन्होंने 27 मैच जीते, 18 हारे और 15 ड्रॉ रहे। 45 फीसद के जीत प्रतिशत के साथ, वह भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। उन्होंने टीम इंडिया को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक रैंकिंग दिलाई। धोनी ने भारत के लिए 350 वनडे मैच खेले जिसमें 10773 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 10 शतक और 73 अर्धशतक लगाए।

# लंबी डुबकी लगाने की शर्त जीतने के लिए जिंदगी हार गया युवक

## दोस्त बनाते रहे वीडियो; आंखों के सामने डूबा

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर। यूपी के कानपुर जिले में एक युवक देर तक डुबकी लगाने की शर्त जीतने की कोशिश में जिंदगी हार गया। इस दौरान उसके 20 दोस्त वीडियो बनाते रहे। उनकी आंखों के सामने युवक डूब गया।**

**यूपी के कानपुर जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। गुजैनी की पिपौरी नहर में रविवार दोपहर 20 दोस्तों के साथ नहाने गया युवक देर तक डुबकी लगाने की शर्त जीतने के चक्कर में मौत से हार गया। डुबकी लगाने के दौरान वह जब करीब आठ मिनट बाद भी बाहर नहीं निकला तो साथियों ने उसे तलाश करना शुरू किया।**

डूबे दोस्त को बाहर निकालकर सभी हैलट अस्पताल ले गए। वहां इलाज के दौरान सोमवार सुबह उसकी सांसें थम गईं। पिपौरी के मर्दनपुर निवासी 24 वर्षीय गुलफाम घरों में रंगाई और पुताई का कार्य करता था।

वह रविवार दोपहर करीब तीन बजे अपने 20-22 दोस्तों के साथ नहर में नहाने गया। अचानक दोस्तों में देर तक पानी के अंदर डुबकी लगाने की शर्त लगी। दोस्त बारी-बारी से पानी के अंदर डुबकी लगाते गए और एक दूसरे का वीडियो भी बनाते रहे।

गुलफाम ने भी डुबकी लगाई। छोटे भाई सलमान के मुताबिक, गुलफाम करीब आठ मिनट तक बाहर नहीं निकला तो दोस्तों को आशंका हुई। सभी ने डुबकी लगाई तो वह डूबा दिखा।

आनन-फानन उसे हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां सोमवार सुबह उसकी मौत हो गई। पिता बाबू नसीर, मां गुड़िया, बहनें अलशिफा और सानिया गमगीन हैं।

गुजैनी थाना प्रभारी विनय तिवारी ने बताया कि

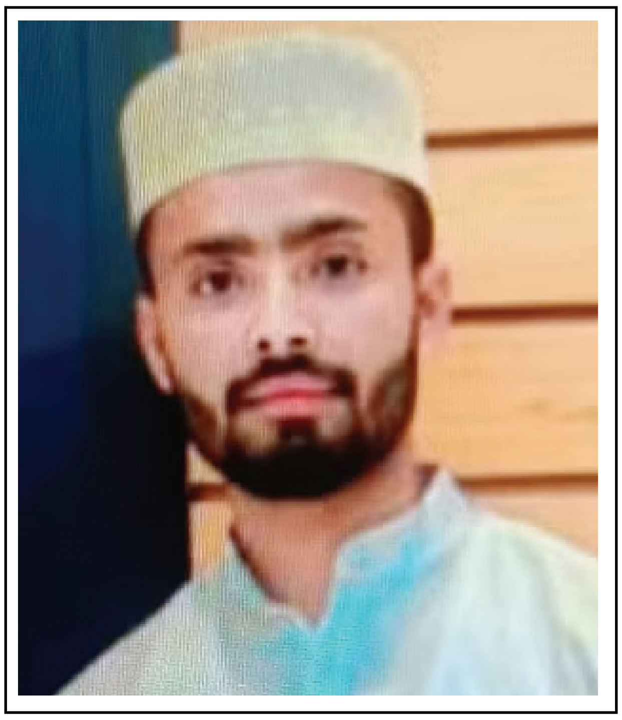

घटना के बाद परिजन सीधे युवक को हैलट ले गए थे। स्वरूपनगर पुलिस ने घटना की जानकारी दी है। अगर किसी तरह के आरोप की तहरीर आती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

# सिकंदरा के पास किसान के साथ टप्पेबाजी

## हाईवे पर कार में बैठाकर 6800 ले लिए

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

कानपुर देहात। सिकंदरा थाना क्षेत्र के हाइवे पर किसान के 68 सौ रुपए की टप्पेबाजी हो गई। पीड़ित मदद की गुहार लगाता रहा लेकिन मदद नहीं हुई।

रूरा थाना क्षेत्र के तिगांई गांव निवासी महेंद्र सिंह यादव किसी काम से सिकंदरा की ओर गए थे। वापसी में हाईवे पर वाहन का इंतजार कर रहे थे इसी दौरान एक कार आई उसने ले चलने के लिए कहा और इसके बाद बैठा लिया । उनसे कहा कि यह सरकारी गाड़ी है जो भी पैसे हैं आप निकल कर अलग रख दें। इसके बाद पैसा रखवा लिया और कुछ देर आगे चलने पर उतार दिया। बोला कि अभी आता हूं इसके बाद कोई नहीं आया। उनके पास कोई फोन न होने के कारण पुलिस को सूचित नहीं कर सके स्थानीय लोगों से मदद के लिए फोन मांगा लेकिन फोन नहीं दिया किसी ने। किसान ने बताया कल सिकंदरा थाने पहुंचकर तहरीर देंगे।

# स्वराज इंडिया की मुहिम लाई रंग, गांव को मिला पानी

» डीपीआरओ ने लिया संज्ञान, हैंडपंप मरम्मत के बाद गांव को मिली राहत

»अकौड़िया के ग्रामीणों ने अखबार की टीम को दिया धन्यवाद, जताई खुशी

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। जून की भीषण गर्मी और उमस ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया हुआ है। ग्रामीण इलाकों में पानी की मांग कई गुना बढ़ चुकी है। खासकर ऐसे समय में जब जल संकट गहराने लगे, तब सरकारी हैंडपंपों की अहमियत और भी अधिक बढ़ जाती है। लेकिन रसूलाबाद विकास खंड की सुनासी ग्राम पंचायत के मजरा अकौड़िया में स्थिति इसके ठीक उलट थी।

गांव में लगे सरकारी हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े थे। ग्रामीण महिलाओं और बुजुर्गों को दूर-दराज से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा था। बच्चों की पढ़ाई और घर के कामकाज पर इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा था। वहीं, जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही थी।

इसी गंभीर जनसमस्या को स्वर देने का कार्य किया स्वराज इंडिया अखबार ने। 5 जून, दिन गुरुवार को प्रमुखता से प्रकाशित खबर ठूंठ बन चुके हैंडपंप, ग्रामीणों की प्यास से बेखबर सचिव ने प्रशासन और ग्राम पंचायत की नींद खोल दी। खबर का संज्ञान लेते हुए डीपीआरओ विकास पटेल ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।

इसके बाद ग्राम प्रधान रघुनंदन सिंह कुशवाहा और सचिव अभय यादव ने सक्रियता दिखाते हुए हैंडपंप की मरम्मत कार्य शुरू करवाया। कुछ ही घंटों में तकनीकी टीम ने खराब पड़े हैंडपंप को सही कर दिया। अब हैंडपंप से पर्याप्त मात्रा में साफ पानी आ रहा है, जिससे गांववासियों को भारी राहत मिली है।

गांव में पानी आते ही ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। महिलाओं ने अखबार की टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि अब उन्हें दूर-दराज पानी भरने नहीं जाना पड़ेगा। बुजुर्गों ने कहा कि यह खबर नहीं, बल्कि हमारी जिंदगी की आवाज़ थी, जिसने प्रशासन को झकझोरा। बच्चों ने खुशी से उछलते हुए हैंडपंप के पास मस्ती की, जैसे कोई त्योहार मनाया जा रहा हो।

## ठूंठ बन चुके हैंडपंप, ग्रामीणों की प्यास से बेखबर सचिव

» रसूलाबाद के अकौड़िया गांव में महीनों से बंद पड़े हैंडपंप,
»बूंद-बूंद पानी को तरस रहे लोग, जिम्मेदार लापता

उजियारे लाल, रामदास, विश्वनाथ, संदीप, मनोज और रामबाबू ने बताया कि हैंडपंप कभी गांव की प्यास बुझाने का जरिया हुआ करते थे, अब ये लोहे के ठूंठ बन चुके हैं।

हर घर जल योजना के तहत लगाए गए कनेक्शन भी महज दिखावा बनकर रह गए हैं—टोटी से तीन दिन में मुश्किल से एक दिन पानी आता है। लोग इधर-उधर भटककर पीने का पानी जुटा रहे हैं। अकौड़िया गांव में गंदगी का अंबार है और जनप्रतिनिधि ग्राम विकास के नाम पर आंखें मूंदे बैठे हैं। ग्रामीणों ने सीडीओ लक्ष्मी एन से गुहार लगाई है कि हालात में सुधार कराया जाए। लेकिन सवाल यही है—क्या जिम्मेदारों की नींद टूटेगी या गांव यूं ही प्यासा तड़पता रहेगा?

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। चिलचिलाती गर्मी और उमस ं जब गांवों में पानी जीवनरेखा बन चुका है, हीं रसूलाबाद विकासखंड के ग्राम पंचायत ुनासी के मजरा अकौड़िया में हालात बदतर । यहां के दो सरकारी हैंडपंप बीते छह महीने े खराब पड़े हैं, लेकिन ग्राम प्रधान रघुनंदन ंह कुशवाहा और पंचायत सचिव अभय यादव । अब तक कोई सुध नहीं ली है। ग्रामीण

ग्रामीणों ने स्वराज इंडिया टीम का विशेष आभार प्रकट करते हुए कहा कि जब शासन-प्रशासन मौन था, तब अखबार ने हमारी पीड़ा को उजागर किया। यह जीत जन पत्रकारिता की है, जिसने जनता की आवाज़ को प्रशासन तक पहुँचाया और समाधान भी सुनिश्चित कराया।

# घर में अकेली किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी युवक फरार

## थाने में मुकदमा दर्ज, पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,**

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। खेतों में काम कर रहे माता-पिता की गैरमौजूदगी में घर में अकेली किशोरी के साथ गांव के ही एक युवक ने दुष्कर्म किया और मौके से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलने पर परिजन पीड़िता को लेकर तत्काल थाना पहुंचे और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पीड़िता के पिता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपी ने सुनियोजित ढंग से वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और भारतीय दंड संहिता व

पॉक्सो अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है।थाना प्रभारी शिव नारायण सिंह ने बताया कि मामला गंभीर है। पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।पुलिस की प्राथमिकता आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और पीड़िता को न्याय दिलाने की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत तीन दिवसीय दौरे के बाद कानपुर से पटना रवाना

» संघ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ करीब 10 महत्वपूर्ण बैठकें की

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत तीन दिवसीय दौरे के बाद सोमवार रात कानपुर से पटना के लिए रवाना हो गए। उन्होंने कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक स्थित वीआईपी लाउंज में कुछ समय बिताया और इसके बाद राजेंद्र नगर तेजस राजधानी एक्सप्रेस से पटना के लिए प्रस्थान किया।

अपने प्रवास के दौरान मोहन भागवत ने संघ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ करीब 10 महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन बैठकों में उन्होंने संघ के कार्यों की समीक्षा की और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा की।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे छुआछूत और जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर सम्पूर्ण हिंदू समाज को एकजुट करने का प्रयास करें।

सोमवार सुबह मोहन भागवत ने विकास वर्ग में शिक्षार्थियों से भी संवाद किया, जिसमें उन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन के अनुभव साझा किए और युवाओं को प्रेरित किया।

मोहन भागवत का यह दौरा संघ के सांगठनिक कार्यों को सुदृढ़ करने और समाज में समरसता का संदेश देने के उद्देश्य से किया गया था।

# लखनऊ में सरकारी जमीन पर कर दी प्लॉटिंग, एसडीएम समेत 8 होंगे सस्पेंड

» सरोजनी नगर के कल्ली पश्चिम और भेहसा में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा चल रहा था। अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी जमीन पर प्लाटिंग की जा रही थी

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

**लखनऊ। सरोजनीनगर इलाके में अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे कर प्लॉटिंग हो रही थी। मंडलायुक्त के निरीक्षण में सोमवार को पूरा खेल सामने आ गया। इस पर मंडलायुक्त ने कानूनगो और लेखपाल समेत 6 कर्मचारियों को तुरंत सस्पेंड करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही एसडीएम सरोजनीनगर और नगर निगम के तहसीलदार को आरोप पत्र जारी करते हुए रिपोर्ट शासन को भेज दी है।**

मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने सोमवार को सरोजनीनगर के ग्राम सभा बेहसा व कल्ली पश्चिम की सरकारी जमीनों का जायजा लिया। बेहसा में सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर प्लॉटिंग होती मिलने पर केस दर्ज करवाने के साथ ही निर्माण ध्वस्त करवा कब्जा हटवाने के निर्देश दिए।

अवैध कब्जा हटवाने में एसडीएम सरोजनी सचिन वर्मा और नगर निगम के तहसीलदार अरविंद पांडेय की लापरवाही मिलने पर आरोप पत्र जारी करते हुए दोनों को सस्पेंड करने के लिए शासन को रिपोर्ट भेजी।कल्ली पश्चिम में सरकारी जमीन पर प्लॉटिंग मिलने पर प्रॉपर्टी डीलरों के खिलाफ केस दर्ज करवाने और जमीन मुक्त करवाने के निर्देश दिए। ग्राम बेहसा व कल्ली पश्चिम के लेखपाल सुनील तिवारी, दीपक, कानूनगो अशोक पांडे, पाटन दीन तिवारी और नगर निगम के लेखपाल मृदुल मिश्रा व संदीप यादव द्वितीय को सस्पेंड करने के निर्देश दिए।

### कई लेखपालों पर कई गंभीर आरोप

मंडलायुक्त ने दोबारा अवैध कब्जा मिलने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध केस दर्ज करवाने की चेतावनी भी दी है। मंडलायुक्त ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जों और प्लॉटिंग के आरोप में जिन लेखपालों को सस्पेंड करने के निर्देश दिए हैं, उन पर कई गंभीर आरोप हैं। शिकायतकर्ता की तरफ से मंडलायुक्त को लिखित शिकायत के साथ ही अवैध प्लॉटिंग वाली जगह पर खड़े आरोपित लेखपाल की फोटो भी भेजी गई है। बताया जा रहा है कि लेखपालों ने पूरे मामले में एसडीएम को गलत रिपोर्ट भेजी थी।

# अयोध्या रायबरेली फोरलेन पर दौड़ा बर्निंग ट्रक

## मक्का लादकर जा रहे ट्रक में लगी आग , बारुन बाजार के पास जलती लपटों में फंस गई जिन्दगी
## 10 किमी लंबा जाम बना चीखों का कारवां

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**अयोध्या। सोमवार की रात अयोध्या-रायबरेली फोरलेन पर उस वक्त मातम पसर गया जब बारुन बाजार के पास तेज रफ्तार मक्का लदे ट्रक ने सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर में ज़ोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों वाहन आग का गोला बन गए। रात के अंधेरे में आग की लपटें 15 फीट तक उठीं और मक्का की बोरियों समेत ट्रक धू-धू कर जल गया। ट्रैक्टर भी पूरी तरह नष्ट हो गया। हादसे में ट्रक का चालक अनीश और कंडक्टर पवन कुमार बुरी तरह झुलस गए। दोनों की जान किसी तरह बचाई गई, लेकिन हाईवे पर भय, भगदड़ और चीखों की गूंज देर रात तक बनी रही।**

बारुन बाजार के पास रात करीब 9 बजे जैसे ही ट्रक (यूपी-32-KN-6262) ने ट्रैक्टर (यूपी-42-AL-5304) में टक्कर मारी, वैसे ही आग की लपटें उठीं और वाहनों से धमाकों की आवाज़ आने लगी। ट्रक में लदे मक्के की बोरियां आग की चपेट में आकर चटकने लगीं। आस-पास के घरों के लोग सहम गए। कई लोग बच्चों को लेकर घर छोड़कर भाग निकले।

**स्थानीय लोगों ने दिखाई बहादुरी**

हादसे के कुछ ही मिनटों बाद बारुन चौकी इंचार्ज अविनाश सिंह, सीओ श्रीयश त्रिपाठी और थानाध्यक्ष इनायतनगर रतन शर्मा मौके पर पहुंचे। लेकिन उससे पहले स्थानीय लोगों ने जान जोखिम में डालकर ट्रक में फंसे घायल चालक और कंडक्टर को बाहर निकाला। तुरंत 1033 एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया, जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है।

**10 किलोमीटर लंबा जाम, वनवे से चला यातायात**

धुएं और जलते वाहनों के कारण हाईवे पर दोनों ओर लंबा जाम लग गया। कलंदर से लेकर मिल्कीपुर तक पूरा फोरलेन ठप हो गया। पुलिस ने रात 1 बजे तक ट्रैफिक वनवे कर चलाया और मलबा हटवाने के बाद आवागमन सामान्य हुआ।

**तेज़ रफ्तार और लापरवाही की कीमत इंसानी जिन्दगी ने चुकाई**

सीओ श्रीयश त्रिपाठी के अनुसार हादसे की जांच चल रही है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और चालक की लापरवाही को जिम्मेदार माना गया है। ट्रैक्टर बारुन निवासी अनिल गुप्ता का बताया गया है जो पूरी तरह जल गया।

**स्वराज इंडिया विशेष रिपोर्ट**

सवाल यह है कि क्या फोरलेन केवल गाड़ियों की रफ्तार बढ़ाने के लिए है या फिर आग में जलती जिंदगियों का रास्ता बनता जा रहा है? क्या हर हादसे के बाद पुलिस की वही बयानबाज़ी और मुआवज़े के आश्वासन ही इस लापरवाह व्यवस्था का जवाब है? हर रोज़ हादसे के आंकड़े गिनने वाली मशीनरी कब इस आग के नीचे दबे सिस्टम की आग बुझाएगी?

# अयोध्या के शिवनगर में सड़कों पर सत्याग्रह

## नाले को लेकर नगर निगम पर फूटा जनविरोध

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

**अयोध्या। शिवनगर कॉलोनी अब केवल एक मोहल्ला नहीं, बल्कि नगर निगम की उदासीनता के खिलाफ जनसंघर्ष का प्रतीक बन गया है। पिछले 7-8 वर्षों से बहता मौत का नाला अब स्थानीयों की सहनशक्ति के पार जा चुका है। इसी नाले ने शिवनगर के सब्र को तोड़ा, और अब लोग मजबूरन सड़कों पर उतर आए हैं।**

तीन स्कूलों के बीच बहता यह खुले बदबूदार गंदे पानी का नाला, न सिर्फ बच्चों बल्कि बुजुर्गों और हर गुजरने वाले के लिए जान का जोखिम बन चुका है। चार पहिया वाहन तक इसमें फंसकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, और यह सब उस अयोध्या में हो रहा है जिसे 'नव्य नगरी' कहा जा रहा है।निवासियों ने गुलशन तिवारी, रविकांत, अंकित यादव, रोशन तिवारी, विक्रम सिंह, अंकुर, अभय मिश्रा, नरेंद्र तिवारी, वरुण शुक्ला, प्रखर तिवारी आदि के नेतृत्व में प्रशासन को सीधी चेतावनी दी—

अगर मानसून से पहले यह नाला और सड़कें दुरुस्त नहीं हुईं, तो वोट नहीं देंगे।

नेताओं के खोखले वादों और अधिकारियों की फाइलों में दबी फरियादों को अब जनता ने सड़क पर लाकर पटक दिया है। बैनर-पोस्टर नहीं, अब जनाक्रोश बोल रहा है। बच्चों के स्कूल जाने का रास्ता हो या बीमार मां को ले जाने की मजबूरी, हर रोज यह नाला किसी ना किसी की इम्तिहान ले रहा है।

***प्रशासनिक चुप्पी और राजनीतिक ठिठोली के बीच, बड़ा सवाल ***

क्या शिवनगर की जनता को जान की कीमत पर इंतज़ार करना होगा, या मौत का यह नाला वाकई अब बंद होगा? शिवनगर का सत्याग्रह सिर्फ एक कॉलोनी की लड़ाई नहीं, ये सवाल है उस सिस्टम से, जो टैक्स तो वसूलता है, लेकिन बुनियादी जिम्मेदारियों से मुंह चुराता है।स्वराज इंडिया की यह ग्राउंड रिपोर्ट उस दर्द की आवाज है जिसे सालों से अनसुना किया गया — अब वह चीख बन चुकी है।

# अधिवक्ता को गलत जांच रिपोर्ट देने का मामला गरमाया

## मुख्यमंत्री ने महानिदेशक को दिए जांच कराने के निर्देश

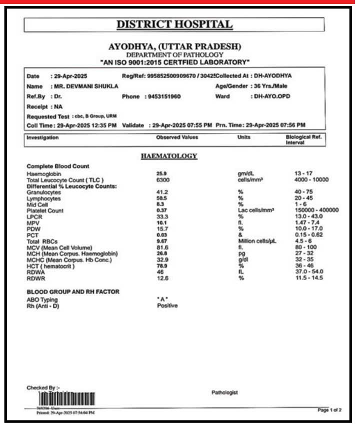

DISTRICT HOSPITAL

AYODHYA, (UTTAR PRADESH)
DEPARTMENT OF PATHOLOGY
"AN ISO 9001:2015 CERTFIED LABORATORY"

Date : 29-Apr-2025 Reg/Ref: 995852500909670 / 30425 Collected At : DH-AYODHYA
Name : MR. DEVMANI SHUKLA Age/Gender : 36 Yrs./Male
Ref.By : Dr. Phone : 9453151960 Ward : DH-AYO.OPD
Receipt : NA
Requested Test : cbc, B Group, URM
Coll Time: 29-Apr-2025 12:35 PM Validate : 29-Apr-2025 07:55 PM Prn. Time: 29-Apr-2025 07:56 PM

HAEMATOLOGY

| Investigation | Observed Values | Units | Biological Ref. Interval |
|---|---|---|---|
| **Complete Blood Count** | | | |
| Haemoglobin | 25.9 | gm/dL | 13 - 17 |
| Total Leucocyte Count ( TLC ) | 6300 | cells/mm³ | 4000 - 10000 |
| **Differential % Leucocyte Counts:** | | | |
| Granulocytes | 41.2 | % | 40 - 75 |
| Lymphocytes | 50.5 | % | 20 - 45 |
| Mid Cell | 8.3 | % | 1 - 6 |
| Platelet Count | 0.37 | Lac cells/mm³ | 150000 - 400000 |
| LPCR | 33.3 | % | 13.0 - 43.0 |
| MPV | 10.1 | fl. | 1.47 - 7.4 |
| PDW | 15.7 | % | 10.0 - 17.0 |
| PCT | 0.03 | & | 0.15 - 0.62 |
| Total RBCs | 9.67 | Million cells/µL | 4.5 - 6 |
| MCV (Mean Cell Volume) | 81.6 | fl. | 80 - 100 |
| MCH (Mean Corpus. Haemoglobin) | 26.8 | pg | 27 - 32 |
| MCHC (Mean Corpus. Hb Conc.) | 32.9 | g/dl | 32 - 35 |
| HCT ( hematocrit ) | 78.9 | % | 36 - 46 |
| RDWA | 46 | fL | 37.0 - 54.0 |
| RDWR | 12.6 | % | 11.5 - 14.5 |
| **BLOOD GROUP AND RH FACTOR** | | | |
| ABO Typing | "A" | | |
| Rh (Anti - D) | Positive | | |

Checked By :- Pathologist
Printed: 29-Apr-2025 07:56:04 PM Page 1 of 2

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

**अयोध्या। ब्लड जांच की गलत रिपोर्ट देने की शिकायत को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीरता से लेते हुए महानिदेशक स्वास्थ्य को जांच कराने के निर्देश दिए हैं।**

**प्राप्त जानकारी के अनुसार मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के कोटडीह गाँव निवासी अधिवक्ता देव मणि शुक्ला को अमरनाथ धाम की यात्रा के लिए मेडिकल फिटनेस की आवश्यकता थी। जिसके लिए अधिवक्ता देव मणि शुक्ला ने 29 अप्रैल को जिला चिकित्सालय के आरडीसी में ब्लड की जांच कराई। जहाँ से मिली रिपोर्ट में देव मणि शुक्ला को 25.9 ब्लड बताया गया।**

इस रिपोर्ट को देख अधिवक्ता देव मणि के होश उड़ गए। उन्होंने कुछ लोगों से राय लेकर जब प्राइवेट पैथोलॉजी में जब दोबारा ब्लड की जांच कराई तो उनकी ब्लड रिपोर्ट सामान्य मिली। इसकी शिकायत अधिवक्ता ने जब जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा. एके सिन्हा से करते हुए मामले की जांच कराने का अनुरोध किया। किन्तु प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक ने जब मामले को नजरअंदाज कर दिया तो अधिवक्ता ने मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री को रजिस्ट्री डाक से शिकायत भेजी। शिकायत को मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लेते हुए महानिदेशक स्वास्थ्य को जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इस मामले को लेकर जिला अस्पताल में खलबली मच गई है। देखना यह है कि जिला अस्पताल प्रशासन इस लापरवाही की निष्पक्ष जाँच कराकर पीड़ित को न्याय देता है या कर्मचारियों को बचाने की जुगत लगाता है।

# सोनभद्र में झोपड़ी व दुकानों में खुलेआम बिक रहा पेट्रोल

राहुल पाण्डेय, स्वराज इंडिया

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

## शासन के आदेश की जमकर उड रहीं धज्जियां, जिला प्रशासन बंद कर लेता है आंखे

**सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहे सोनभद्र जिले में जिला आपूर्ति विभाग के अफसर मौज में हैं। सरकार के आदेशों की जमकर धज्जियां उड रहीं लेकिन अफसर जानकर भी चुप हैं। दरअसल सोनभद्र के कुछ क्षेत्रों में आपको कोल्ड ड्रिंक और पानी के बोतल के बीच पेट्रोल रखीं बोतलें भी मिल जाएगी। यहां दुकानों में खुलेआम बोतलों में पेट्रोल और डीजल बेचा जा रहा है। ब्लैक में मिल रहे इसे पेट्रोल की कीमत अधिक होती है, जिससे पेट्रोल की कालाबाजारी की जा रही है।**

शासन का आदेश है कि पेट्रोल पंप पर किसी को खुले में यानि बोतल, पीपे या डिब्बे आदि में पेट्रोलियम पदार्थ नहीं बेचा जाए। लेकिन सोनभद्र के कई इलाकों में इस आदेश की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। दुद्धी तहसील के म्योरपुर विंढमगंज समेत कई क्षेत्रों में आपको झोपडी के नीचे बोतलों में पेट्रोल और डीजल मिल जाएगा।विस्फोटक अधिनियम के तहत इसके लिए सरकार ने सुरक्षा नियम तय किए हैं, जिसका पालन सभी पेट्रोलियम कंपनी के पंपों में अनिवार्य रूप से करना होता है, लेकिन क्षेत्र के पेट्रोल पंप में कर्मचारी इस नियम को ठेंगा दिखाकर पेट्रोल बेच रहे हैं।

**बोतल में पेट्रोल देने पर पूरी तरह है रोक**

विस्फोटक अधिनियम के तहत पेट्रोल पंपों पर लगी डिस्पेंसर मशीनों से बोतलों या फिर डिब्बों में पेट्रोल देने पर पूरी तरह से रोक है।

पेट्रोलियम पदार्थ अत्यंत ज्वलनशील होता है। आसपास हल्की सी भी चिंगारी भारी पड़ सकती है। पेट्रोल पंप में ग्राहकों को प्लास्टिक की बोतलों या कंटेनरों में पेट्रोल देना प्रतिबंधित है। लोग पानी की प्लास्टिक बोतलों को पेट्रोल लाने ले जाने में उपयोग में लाते हैं, जो काफी खतरनाक है। यदि पेट्रोल

देते समय इसमें आग लग जाए तो पंप में गंभीर हादसा हो सकता है।

**शासन का आदेश किनारे...**

सभी पेट्रोल पंप संचालकों को बोतलों या डिब्बे में पेट्रोल/डीजल नहीं देने के निर्देश दिए गए हैं। यदि कोई व्यक्ति बोतल या डिब्बे में पेट्रोल मांगता है तो उसे मना किया जाएगा. प्रशासन ने सभी पेट्रोल पंपों पर इस आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए हैं। यदि कोई संचालक आदेश का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी से बेहाल जनजीवन

## स्कूलों की छुट्टियों को 30 जून तक बढ़ाने का आग्रह

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इन दिनों भीषण गर्मी ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। बढ़ते तापमान और लू की स्थिति ने विशेष रूप से बच्चों के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। ऐसे में परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले छोटे बच्चों के लिए 16 जून से स्कूल खोलने का निर्णय उनके स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है। इस स्थिति को देखते हुए अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के अन्य जागरूक लोगों ने ग्रीष्मावकाश को 30 जून तक बढ़ाने की मांग की है।**

वर्तमान में उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों को स्कूल भेजना न केवल उनके शारीरिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होगा बल्कि उनकी पढ़ाई और मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। गर्मी से होने वाली बीमारियां जैसे लू लगना, निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) और थकान बच्चों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती हैं। विशेषज्ञों का भी मानना है कि छोटे बच्चों का शरीर गर्मी को सहन करने में कम सक्षम होता है। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों के लिए भी गर्मी की स्थिति को देखते हुए कार्य समय में भी बदलाव की आवश्यकता है। यह सुझाव दिया गया है कि स्कूलों का संचालन सुबह 7-30 बजे से दोपहर 12-30 बजे तक किया जाए। इससे न केवल शिक्षकों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी बल्कि स्कूलों के सभी आवश्यक प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्य भी सुचारू रूप से पूरे हो सकेंगे। साथ ही शिक्षकों के लिए किसी भी प्रकार के भेदभावपूर्ण आदेशों से बचने की अपील की गई है ताकि सभी कर्मचारियों का मनोबल बना रहे।

शिक्षकों ने मुख्यमंत्री और बेसिक शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया है कि बच्चों और शिक्षकों के स्वास्थ्य को सर्वोपरि मानते हुए ग्रीष्मावकाश को 30 जून तक बढ़ाने का निर्णय लिया जाए। साथ ही स्कूलों के संचालन समय में भी बदलाव के लिए तत्काल आदेश जारी किया जाए। यह कदम न केवल बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा करेगा बल्कि शिक्षा व्यवस्था को भी अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनाएगा।

# डोनाल्ड ट्रंप-एलन मस्क को जान से मारने की धमकी

## अल कायदा के इनामी आतंकी ने जारी किया वीडियो

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

### क्या AQAP फिर से ताक़त बटोर रहा है?

AQAP कभी अलकायदा की सबसे खतरनाक शाखा मानी जाती थी। हाल के सालों में ड्रोन हमलों और आंतरिक झगड़ों के चलते इसकी ताकत घटी है, लेकिन फिर भी इस ग्रुप के पास अभी भी 3,000 से 4,000 के बीच लड़ाके और समर्थक माने जाते हैं। ये लोग बैंक लूट, हथियारों की तस्करी, फिरौती और जाली नोट के ज़रिए पैसा बनाते हैं।

**सना।** अल कायदा की यमन शाखा के नेता साद बिन अतेफ अल-अवलाकी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति एलन मस्क को जान से मारने की धमकी दी है। पिछले साल यमन में अल कायदा समूह की कमान संभालने के बाद जारी अपने पहले वीडियो संदेश में साद ने गाजा में इजरायल-हमास पर बात करते हुए ट्रंप और मस्क को धमकी दी है। अतेफ अल-अवलाकी का ये वीडियो संदेश शनिवार सुबह अल-कायदा समर्थकों ने इंटरनेट पर जारी किया है। अवलाकी ने मिस्र, जॉर्डन और दूसरे अरब देशों के नेताओं को भी मार डालने की धमकी दी है। उसने इनको गाजा में महिलाओं और बच्चों की मौतों के लिए जिम्मेदार कहा है।

अल-कायदा इन द अरेबियन पेनिनसुला के जरिए ऑनलाइन जारी हुए आधे घंटे के वीडियो संदेश में इजरायल का समर्थन करने के लिए डोनाल्ड ट्रंप, एलन मस्क, मिस्र, जॉर्डन और दूसरे अरब देशों की आलोचना की है। उसने कहा कि इन देशों की मदद से चल रहे युद्ध की वजह से ही गाजा तबाह हो गया है। अल-अवलाकी ने यमन में समूह का चीफ बनने के बाद पहली बार वीडियो जारी किया है।

**अमेरिकी नेता निशाने पर:** अल अवलाकी के भाषण वाले इस वीडियो में अमेरिका के नेता खासतौर से निशाने पर हैं। इसमें ट्रंप और मस्क के साथ-साथ अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की तस्वीरें दिखाई गई हैं। ये वीडियो ऐसे समय आई है, जब ट्रंप और मस्क में अनबन चल रही है। हालांकि बीते साल चुनाव के बाद से ट्रंप के सबसे प्रमुख समर्थकों में एक नाम मस्क का था। अल-कायदा की यमन शाखा बीते वर्षों में काफी चर्चा में रही है। इसे अल कायदा की सबसे खतरनाक यूनिट मानी जाती है। हालांकि हाल के वर्षों में गुटबाजी और अमेरिकी ड्रोन हमलों के चलते यह समूह कमजोर हो गया है। अल-कायदा इन द अरेबियन पेनिनसुला (एक्यूएपी) को ओसामा बिन लादेन की 2011 मौत के बाद भी सबसे खतरनाक शाखा माना जाता था।

**इनामी आतंकी है अवलाकी :** अल-अवलाकी अमेरिका में घोषित आतंकी है और आतंकवाद के लिए उस पर 6 मिलियन डॉलर का इनाम जारी किया गया है। वॉशिंगटन का कहना है कि अल-अवलाकी ने अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ हमलों के लिए सार्वजनिक रूप से आह्वान किया है। ऐसे में अवलाकी को जरूर पकड़ा जाएगा।

अल अवलाकी ने एक्यूएपी हेड खालिद अल-बतरफी की जगह ली है, जिसकी मौत की घोषणा समूह ने बीते साल की थी। इजरायल-हमास युद्ध पर एक्यूएपी का बयान यमन के हूती विद्रोहियों के लाल सागर में हमलों के बाद आया है।

# हमने ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया, ये स्वर्णिम युग है...

## पीएम मोदी के 11 साल पूरे होने पर बोले सीएम योगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी के 11 साल के कार्यकाल को आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव बताया। उन्होंने कहा कि भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत की है और आतंकवाद पर कड़ा रुख अपनाया है।

केंद्र की मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर बीजेपी पूरे देश में जश्न मना रही है। पार्टी मीडिया से बातचीत करके जनता तक मोदी सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाने का काम कर रही है। इसी क्रम में देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान सीएम योगी ने पीएम मोदी के कार्यकाल की जमकर तारीफ की।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल के ये 11 साल आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव के स्वर्णिम युग के रूप में जाने जाएंगे। पीएम मोदी के 11 साल पूरे होने पर लखनऊ में बीजेपी कार्यालय में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया है। सीएम योगी ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस मौके पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक समेत तमाम नेता मौजूद रहे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत किया है और भारत को एक नई पहचान दी है। कांग्रेस के 65 साल के शासन और अस्थिर सरकारों से आम लोगों का विश्वास उठ गया था और वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचा था, लेकिन पीएम मोदी ने पिछले 11 सालों में इसे बहाल किया है। सीएम ने कहा कि शासन अब सभी की संतुष्टि और किसी के तुष्टिकरण पर आधारित नहीं है, देश ने 11 सालों में यह देखा है। सीएम योगी ने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर अब 2014 के पहले वाली प्रवत्ति नहीं है कि भारत केवल शांति का पक्षधर है। हर हाल में शांति की रट लगाने की आदत जो 2014 से पहले पड़ गई थी, पीएम मोदी ने न्यू नॉर्मल के माध्यम से उन अवधारणाओं को पलटकर रख दिया है। हम दोस्तों के साथ शांति से रहेंगे, लेकिन अगर कोई हम पर युद्ध थोपता है, हमारे देश में आतंकवाद को बढ़ावा देता है और हमारी सुरक्षा के लिए खतरा बनता है, तो जवाब सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर होगा। हमने इसे मेड-इन-इंडिया करके दिखाया है और कुछ दिन पहले ही दुनिया ने भारत की ताकत का एहसास किया है।

### कत्ल : दरिंदगी की आशंका

## अर्द्धनग्न लाश, सिर के साथ चेहरे और शरीर पर चोट और गहरे घाव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**मेरठ।** यूपी के मेरठ जिले में एक महिला की बर्बरता से हत्या का मामला सामने आया है। दुष्कर्म की आशंका भी जताई गई है। खंडहर में महिला का अर्द्धनग्न शव मिला है। उसके सिर के साथ चेहरे और शरीर पर चोट और गहरे घाव हैं। कैंट इलाके में गांधी बाग चौराहे के पास खंडहर पड़े भवन में सोमवार को महिला का खून से लथपथ शव मिला। महिला की सिर कूचकर हत्या की गई है। सिर के अलावा चेहरे और शरीर अन्य हिस्सों पर चोट व गहरे घाव मिले हैं। महिला का शव अद्धज्नग्न अवस्था में था। पुलिस के अनुसार, प्राथमिक जांच में महिला से दुष्कमज़ के बाद हत्या की आशंका है। महिला के साथ लोगों ने कुछ दिन पहले सात साल के बेटे को भी देखा था। वारदात के बाद बच्चा भी लापता है। मृतका की पहचान नहीं हो सकी। फॅरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और सदर बाजार थाना पुलिस शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

# हादसा : अधूरे फ्लाईओवर पर लटकी कार

## गूगल मैप ने फिर दिया धोखा, बड़ी दुर्घटना होते-होते बची

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**महाराजगंज।** नेपाल से गोरखपुर की ओर जा रही एक कार उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में नेशनल हाईवे 24 पर बने एक अधूरे फ्लाईओवर के किनारे हवा में लटक गई। घटना स्थल पर बने इस फ्लाईओवर की जानकारी गूगल मैप पर नहीं दिखाई गई थी।

गूगल मैप्स के आने से हमारी जिंदगी काफी आसान हो गई है। सड़कों पर तेज रफ्तार से दौड़ते वाहनों के लिए गूगल मैप एक अहम सहायक बन चुका है। इतना ही नहीं घर बैठे इसके मदद से हमें कहीं भी जाना हो उसकी सारी डिटेल्स मिल जाती है। आज लोग इस ऐप के सहारे हजारों किलोमीटर की यात्रा आसानी से पूरी कर लेते हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट की उपलब्धता बढ़ने के बाद, दुनिया के कोने-कोने में लोग गूगल मैप की मदद से कठिन इलाकों तक भी पहुंच पा रहे हैं, जिससे इस पर लोग आंख बंद कर के भरोशा कर लेते हैं। हालांकि, कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां गूगल मैप ने यूजर्स को झांसा दिया है। बहुत बार ऐसे देखा गया है कि इस ऐप ने लोगों को गलत दिशा में भेज दिया या ऐसी जगह पर पहुंचा दिया, जहां से आगे रास्ता ही नहीं था। ऐसा ही ताजा मामला उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले है आया है. यहां गूगल मैप के सहारे सफर कर रहे कार सवार निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर जा पहुंचे। वहां पहुंचने के बाद उनकी कार फ्लाईओवर के अधूरे हिस्से पर जा गिरी। हालांकि इस हादसे में कार सवार लोग सुरक्षित हैं।

यह घटना रविवार देर रात की है। फरेंदा थाना क्षेत्र में गोरखपुर-सोनौली हाईवे पर एक फ्लाईओवर का निर्माण हो रहा है। लखनऊ नंबर की एक कार में सवार लोग गूगल मैप की मदद से गोरखपुर से सोनौली बॉर्डर की ओर जा रहे थे। गूगल मैप ने उन्हें अधूरे फ्लाईओवर की ओर से रास्ता दिखाया। फ्लाईओवर का एक हिस्सा ही बनकर तैयार हुआ था, जबकि दूसरे हिस्से में काम अभी चल रहा था। अधूरे फ्लाईओवर मार्ग न तो

### पहले भी हो चुके हादसे

पिछले साल नवंबर में ही उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के फरीदपुर क्षेत्र में रामगंगा नदी पर बने एक अधूरे पुल से कार गिरने के कारण तीन लोगों की मौत हो गई थी। मृतक गुरुग्राम से बरेली की ओर यात्रा कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, वे डाटागंज (बदायूं) से खलपुर होते हुए फरीदपुर जा रहे थे और मार्गदर्शन के लिए गूगल मैप का सहारा ले रहे थे। हालांकि, वे पुल की अधूरी स्थिति से अनजान थे, जिससे यह हादसा हो गया था।